उपराष्ट्रपति, भारत

<u>संदेश</u>

'रमज़ान' के पवित्र महीने के समापन के प्रतीक ईद-उल-फितर के आनन्दमय अवसर पर मैं अपने देशवासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देता हूं।

यह त्योहार देश भर में परम्परागत उल्लास, भाईचारे और मेलजोल की अभिव्यक्ति के साथ मनाया जाता है। रमज़ान के दौरान रखे जाने वाले रोज़े से परोपकार तथा उदारता की भावना की पुनः पुष्टि होती है और इससे समानुभूति की भावना परिलक्षित होती है।

मैं कामना करता हूं कि ईद-उल-फितर के श्रेष्ठ आदर्शों से हमारे जीवन में शांति, समृद्धि और सौहार्द आए तथा हम सभी समस्त मानवता की विश्व बन्धुत्व की भावना के साथ एकजुट हो जाएं।

ह./-

(मो. हामिद अंसारी)

नई दिल्ली
30 अगस्त, 2011